हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 5 अप्रैल 2026

13 नीलम, अदिति व कनिका ने जीती प्रतियोगिताएं

14 कैप्टन अभिमन्यु ने लोवा कलां कन्या गुरुकुल में नवीनीकृत...

आढ़तियों व किसानों ने किया बायोमेट्रिक का विरोध, 10 तक का अल्टीमेटम

अनाजमंडी में गेहूं की आवक जोरों पर हैफेड ने 10297.5 क्विंटल गेहूं खरीदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

अनाजमंडी में पिछले दो दिनों से गेहूं की बंपर आवक हो रही है। किसान अपनी फसल को मंडी लेकर पहुंच रहे हैं। शनिवार को मंडी में 351 किसानों के गेट पास काटे गए तथा 20516 क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज की गई। अनाजमंडी में गेहूं की ऊंची-ऊंची ढेरियां लगनी शुरू हो गई हैं।

मंडी सुपरवाइजर रणदीप सिंह ने बताया कि बीती एक अप्रैल से सरकार द्वारा गेहूं खरीद प्रक्रिया शुरू की गई है। सुबह छह बजे से लेकर रात आठ बजे तक फसल लेकर मंडी पहुंच रहे किसानों के गेट पास काटे जा रहे हैं। अभी तक कुल 1394 गेट पास काटे जा चुके हैं तथा गेहूं की 82738 क्विंटल आवक हो चुकी है। खरीद कार्य भी शुरू हुआ है। सरकार द्वारा निर्धारित एजेंसी हैफेड द्वारा शनिवार को 10297.5 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई।

बता दें कि किसानों की सुविधा के लिए मंडी परिसर में गेट पास बनाने के लिए तीन काउंटर स्थापित किए गए हैं।

झज्जर। फसल उठान कार्य के लिए पैकिंग करते हुए श्रमिक। फोटो : हरिभूमि

मौसम में बदलाव के कारण किसान व आढ़ती परेशान

शनिवार को भी मौसम परिवर्तनशील रहा। दिन की शुरुआत आसमान में छाए काले बादलों और तेज हवाओं के साथ हुई। जिसके कारण किसान और आढ़ती परेशान रहे। अनाज मंडी एसोसिएशन के पूर्व प्रधान चांद पहलवान ने कहा कि मौसम खराब होने के कारण किसान और आढ़ती दोनों परेशान है। खेत और मंडी दोनों में फसल खराब होने का डर सता रहा है।

नमी के पैसे काटने पर नाराजगी

अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन द्वारा मीटिंग का आयोजन कर बायोमेट्रिक व्यवस्था का विरोध जताया गया। आढ़तियों ने कहा कि बायोमेट्रिक से किसान व आढ़ती दोनों परेशान है। आगामी दस अप्रैल तक बायोमेट्रिक हटाई जानी चाहिए। इसलिए स्थानीय मंडी के आढ़ती आगामी दस अप्रैल तक कोई भी अनाज नहीं डलवाएंगे। आढ़तियों ने कहा कि मंडी में जितना अनाज पहुंच चुका है सरकार पहले उसका उठान करें इसके बाद भी मंडी में गेहूं की आवक होगी। बैठक में पिछले सीजन सरकार द्वारा बगैर आढ़तियों को सूचना दिए नमी के पैसे काटे जाने पर नाराजगी जताई।

जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बहादुरगढ़। आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में जेसीबी की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार ने पीजीआई रोहतक में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

इस संबंध में जेसीबी ऑप्रेटर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान नागेंद्र झा के रूप में हुई है। दिल्ली के सुलतानपुरी का रहने वाला था और यहां एमआईई स्थित एक कंपनी में काम करता था। दो अप्रैल की रात करीब दस बजे बाइक पर सवार होकर अपने घर के लिए चला। जब एमआईई में काली माता मंदिर से कुछ दूर आगे बढ़ा तो एक जेसीबी के साथ बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में उसे गंभीर चोट आई।

नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। शुक्रवार को ईलाज के दौरान मौत की पुष्टि कर दी गई। सूचना पाकर एमआईई चौकी से पुलिस पीजीआई रोहतक पहुंची और मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए। परिजनों का आरोप है कि जेसीबी गलत दिशा से आ रही थी। जेसीबी ऑप्रेटर की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मृतक के भाई विनोद के बयान पर जेसीबी ऑप्रेटर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बहादुरगढ़। मशीन से नमी चेक करवाते किसान अमरजीत।

बहादुरगढ़ में 775 तो आसौदा मंडी में 1871 क्विंटल गेहूं आया

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में गेहूं की आवक धीरे-धीरे गति पकड़ रही है। शनिवार को बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में 775 क्विंटल तो आसौदा की मंडी में 1871 क्विंटल गेहूं आया। बहादुरगढ़ में अब तक कुल 825 तो आसौदा में अब तक 3835 यानी दोनों जगह कुल मिलाकर 4660 क्विंटल गेहूं आ चुका है। शनिवार को बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में कुल दस गेट पास तो आसौदा की मंडी में 32 गेट पास कटे। बहादुरगढ़ की मंडी में 280 क्विंटल गेहूं की सरकारी खरीद हुई। कुछ किसानों ने निजी आढ़तियों का रुख किया। वहीं सरसों के मामले में किसानों का रुख फिलहाल निजी आढ़तियों पर है। अभी गेहूं की आवक मंडियों में कम है। आगामी कुछ दिनों में आवक के साथ खरीद भी बढ़ेगी। हालांकि बिगड़ा हुआ मौसम किसानों के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। खरीद के बीच कुछ किसानों को परेशानी भी झेलनी पड़ी है। लोवा खुर्द से आए एक किसान अमरजीत ने आरोप लगाया कि वह सुबह छह बजे फसल लेकर मंडी में आया। गेट पास भी कट गया लेकिन दोपहर एक बजे तक भी बारदाना नहीं मिल सका। नमी का हवाला देकर बारदाना नहीं दिया गया, जबकि निजी आढ़ती की मशीन पर नमी चेक कराई तो फसल मानकों पर खरी उतर रही थी। बाद में मामला मार्केट कमेटी के चेयरमैन व सचिव के संज्ञान में आया तो उन्होंने किसान को उचित आश्वासन दिया।

रेड के बाद डीवी गैस सर्विस को जारी किया जाएगा कारण बताओ नोटिस

जिला प्रशासन की टीम ने एलपीजी गैस गोदामों का किया निरीक्षण

- एसडीएम रवि मीणा की टीम ने छापेमारी के दौरान मिले अवैध एलपीजी सिलेंडर किए जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

जिले में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी, जमाखोरी, ओवरचार्जिंग व घरेलू गैस के व्यावसायिक दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर जिला प्रशासन द्वारा शनिवार की शाम रेवाड़ी रोड शहर के कोसली रोड स्थित गैस गोदामों पर छापेमार कार्रवाई का अंजाम दिया गया। औचक निरीक्षण टीम में शामिल एसडीएम रवि मीणा, सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी अमरजीत सिंह, निरीक्षक अजय राठी, रंजन यादव व उप निरीक्षक अजय को शामिल किया। टीम द्वारा अभियान के अंतर्गत डीवी गैस सर्विस व तिरुपति गैस सर्विस गोदामों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गैस एजेंसियों के कार्य संचालन, वितरण प्रणाली तथा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की गहन ममीक्षा की गई। अभियान के दौरान एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए रेवाड़ी रोड क्षेत्र में अवैध भंडारण एवं संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में छापेमारी की गई, जिसमें एलपीजी सिलेंडरों को जब्त किया गया। डीवी गैस सर्विस में मिली अनियमितताएं पाई गईं, जिसके संबंध में उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। औचक निरीक्षण के दौरान संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि वे एलपीजी वितरण में संबंधित सभी नियमों एवं सरकारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

झज्जर। गोदाम में गैस सिलेंडर के भंडारण की जांच करते हुए टीम सदस्य।

कालाबाजारी में संलिप्त लोगों पर होगी कार्रवाई

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि एलपीजी वितरण प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा ओवरचार्जिंग जैसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों व संस्थानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जीजा को अंदर कराने का डर दिखाकर साले से तीन लाख 80 हजार रुपये ठगे

बहादुरगढ़। बादली थाना क्षेत्र के गांव पेलपा के निवासी एक व्यक्ति के साथ ठगी की वारदात हो गई। शातिर ने पीड़ित को उसके जीजा को जेल भेजने का डर दिखाकर तीन लाख 80 हजार की चपत लगा दी। पीड़ित का कहना है कि वह निजी कंपनी में काम करता है।

- पुलिस ने आम नागरिकों से भी जागरूक रहने की अपील की

गत 25 फरवरी को उसके व्हाट्सएप पर एक कॉल आई। कॉलर ने खुद का नाम गुप्ता बताते हुए कहा कि आपका जीजा अर्जुन विदेश में है, उसका वीजा खत्म हो गया है। मैंने ही उसको विदेश भेजा था। उससे 85 हजार रुपये लेने थे, लेकिन अब तक नहीं दिए। अब पुलिस को कहकर उसे अंदर करवाउंगा।

इस तरह से शातिर ने डरा धमका कर उससे तीन लाख 80 हजार रुपये ठग लिए। बाद में जब अपने जीजा से बात की तो उन्होंने बताया कि मैं तो विदेश से आ चुका हूं। आपके साथ किसी ने जानकार बनकर ठगी की है। इसके बाद ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। वहीं पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आम नागरिकों से भी जागरूक रहने की अपील की है।

ओएलएक्स पर कैमरा खरीदने के चक्कर में एक लाख 70 हजार रुपये गंवाए

बहादुरगढ़। ओएलएक्स पर कैमरा बेचने के नाम पर शातिर ने कानोंदा के निवासी एक युवक को चपत लगा दी। शातिर ने उससे एक लाख 70 हजार रुपयें ऐंठ लिए और फोन बंद कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित पेशे से फोटोग्राफर है। गत 17 जनवरी को ओएलएक्स पर एक कैमरे की एड देखी। फिर एड डालने वाले के नंबर पर संपर्क किया। आरोपी ने अपना नाम लवकुश बताया। व्हाट्सएप पर बात चली और कैमरे का रेट एक लाख 70 हजार रुपये तय हुआ। वह शातिर के झांसे में आ गया और खाते से 99 हजार 999 रुपये डाले तथा अपने दोस्त के खाते से 70 हजार रुपये भिजवाए। कुल एक लाख 70 हजार रुपये देने के बाद आरोपी से संपर्क करने की कोशिश की तो मोबाइल बंद आया। इसके बाद ठगी का आभास हुआ और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। अब साइबर थाने में केस दर्ज हो पाया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इसके आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

डिक्लेमेशन, पोस्टर-स्लोगन मेकिंग व पीपीटी में 17 कॉलेज के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

नीलम, अदिति व कनिका ने जीती स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शनिवार को नशा जागरूकता विषय पर बहादुरगढ़ के राजकीय महिला महाविद्यालय में जिला स्तरीय अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताएं हुईं। कार्यक्रम में डिक्लेमेशन (भाषण), पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन तथा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन आदि गतिविधि हुईं। प्रतियोगिताओं में जिले के 17 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्या अलका गुलाटी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए युवाओं को नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया। आयोजक डॉ. सीमा व रामेंद्र हुड्डा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ। डिक्लेमेशन में राजकीय महाविद्यालय की नीलम प्रथम, वैश्य गर्ल्स कॉलेज की एकता द्वितीय व गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज की साक्षी तृतीय स्थान पर रही। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में वैश्य कॉलेज की अदिति शर्मा पहले, गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज की शीतल दूसरे व बादली राजकीय कॉलेज की कोमल तीसरे नंबर पर रही। पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता में वैश्य कॉलेज की कनिका प्रथम, बादली राजकीय कॉलेज की यकिता द्वितीय व गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज की प्राची तृतीय स्थान पर रही। अंत में विजेताओं को सम्मानित करते हुए सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई।

बहादुरगढ़। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देती बादली कॉलेज की कोमल।

बहादुरगढ़। विजेताओं व प्रतिभागियों के साथ प्रिंसिपल व अन्य स्टाफ।

मौके पर ये मौजूद रहे

निर्णायक मंडल में डॉ. कमल कुमार रंगा, डॉ. आशिमा व डॉ. मीरा आदि शामिल रहे। इस मौके पर डॉ. सुदेश राठी, संगीता गोयल, डॉ. शिल्पा, डॉ. मंजू छिकारा, डॉ. ललिता, डॉ. शीतल, डॉ. रेखा, डॉ. रीतू, बादली कॉलेज से डॉ. रेणु गुलिया व डॉ. संदीप, वैश्य कॉलेज से नेहा जैन आदि ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

नप चेयरमैन ने सुनीं डिफेंस कॉलोनीवासियों की समस्याएं

- कॉलोनी वासियों से समस्याएं सुनकर उनके यथाशीघ्र समाधान का आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शनिवार को नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने रहणिया रोड स्थित डिफेंस कॉलोनी पहुंच कर लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कॉलोनी वासियों से समस्याएं सुनकर उनके यथाशीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कालोनीवासियों ने बताया कि उनकी कालोनी का मुख्य द्वार जर्जर हालत में जिसका नवीनीकरण कराना आवश्यक है। गुरुद्वारा चौक से कोसली बाइपास तक दोनों तरफ बनाए जा रहे नाले अधूरे पड़े हैं जिन्हे पूरा किया जाए। इसके अलावा महेंद्र सैनी भगवान दास वाली गली में सीवरेज और पानी की सरकारी लाइन नहीं है वहां बिछाई जानी चाहिए, प्रजापति धर्मशाला से कोसली बाइपास तक किसी भी पोल लाइट नहीं है जिस कारण अंधेरा रहता है, वहां लाइट लगाई जाए। कालोनीवासियों ने बताया कि उनकी कालोनी में कई प्लाट खाली पड़े हैं जिनकी डीपीसी भी नहीं है। ऐसे में न केवल साथ लगते मकानों को क्षति पहुंच रही है बल्कि यहां कूड़ा-कर्कट व गंदगी भी रहती है। संबंधित प्लाट धारकों को नोटिस देकर उन्हें डीपीसी डलवाने व चारदीवार करने के निर्देश दिए जाएं।

झज्जर। डिफेंस कालोनी में कालोनीवासियों की समस्याएं सुनते हुए चेयरमैन जिले सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

मौके पर ये मौजूद रहे

इस मौके पर रमेश चंद सैनी, भगवान दास, कुलदीप, सुदाम नागर, राजेंद्र सिंह, रामसेवक, विनय, देवी दर्शन नंदा, वीरेंद्र कुमार, पवन, ब्रिजेश, मनीष, शेर सिंह, विजेंद्र सिंह, राजबीर, सूबे सिंह, सत्यदेव आर्य, बिजेंद्र सैनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सरकार ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध : आरती राव

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान मंचासीन स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव एवं अन्य।

- प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को मूर्त रूप दिया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शनिवार को गांव खातीवास स्थित दादा सिराज मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए कटिबद्ध है। प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को मूर्त रूप दिया जा रहा है। खेड़ी व खातीवास गांव उनके अपने गांव हैं दोनों गांवों से उनका पारिवारिक रिश्ता है,जब भी मदद की जरूरत पड़ी,यहां के लोगों ने दिल खोलकर मदद की है,दोनों गांवों के विकास के मामले कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने खातीवास व खेड़ी गांवों के विकास के लिए दस-दस लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने विकास के मामले में इस क्षेत्र की निरंतर अनदेखी की। लेकिन वर्तमान केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा विकास कार्यों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत खेड़ी व खातीवास की तरफ से जो मांग पत्र मिला है, उनमें अधिकांश मांगों को पूरा कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी अस्पतालों में सरकार की तरफ से एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई आदि मशीनें और एक्सपर्ट स्टॉफ लगाया गया है। आयुष्मान योजना के तहत भी लोगों को अच्छा लाभ मिल रहा है।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, यादव महासभा के प्रधान राम अवतार यादव, संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सोमवती जाखड़ सहित अन्य भी मौजूद रहे।

भगवान परशुराम भवन की आधारशिला कार्यक्रम आज

- कैबिनेट मंत्री अरविन्द शर्मा व पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के सेक्टर-9 में रविवार को आयोजित होने वाले भगवान परशुराम भवन की आधारशिला कार्यक्रम के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ब्राह्मण महासभा के महासचिव पंडित संत सुरेहती ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों द्वारा कई दिनों से जन संपर्क अभियान चला कर समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया जा रहा है। समिति उपाध्यक्ष पंडित रविंद्र कौशिक, पंडित नरेंद्र औरंगपुर, योगेश, आजाद दीवान, संजय शर्मा आदि सभा सदस्यों द्वारा अपनी टीम सदस्यों के साथ गांव-गांव पहुंच कर लोगों को आमंत्रित किया गया। समारोह में समाज से जुड़े नेता व उच्च पदासीन अधिकारियों सहित विभिन्न मौजिज लोग शिरकत करेंगे। समाज के लोगों ने वर्षों पुरानी मांग इस मांग को पूरा किए जाने पर कैबिनेट मंत्री अरविन्द शर्मा व पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा का आभार भी जताया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा व विशिष्टातिथि के रूप में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली को आमंत्रित किया गया है। रामकेश जीवनपुरिया द्वारा जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी वहीं भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

झज्जर। समारोह स्थल पर उपस्थित ब्राह्मण महासभा सदस्य। फोटो : हरिभूमि

प्रशिक्षण लेकर स्वरोगार स्थापित करने पर रागिनी को किया सम्मानित

झज्जर। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा सीमित संसाधनों के बावजूद स्वरोजगार की दिशा में एक सफल व्यावसायी बनी महिला रागिनी को उसकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। संस्थान निदेशक उमेश भूकर ने रागिनी को स्मृति भेंट करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि अन्य महिलाओं को भी रागिनी से प्रेरणा लेकर अपना व्यवसाय शुरू करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिले के गांव डीघल निवासी रागिनी महज दसवीं पास हैं। लेकिन अपनी अथक मेहनत व परिवारजनों के सहयोग से आज वह इस मुकाम पर पहुंची है। शुरुआत में जहां रागिनी ने अपना काम एक सिलाई मशीन से शुरू किया था वहीं वर्तमान में उसके पास आठ आधुनिक सिलाई मशीनें हैं, जिनमें इंटरलॉक, पिको जैसी सभी प्रकार की मशीनें शामिल हैं।

ग्राम स्तरीय मध्यस्थता को बढ़ावा देने के लिए चिन्हित गांवों में कल से लगेंगे जागरूकता शिविर

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ग्राम स्तरीय सामुदायिक मध्यस्थता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्यस्थता अभियान 2.0 के अंतर्गत विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान एमडीडी ऑफ इंडिया एनजीओ के सहयोग से संचालित किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर आपसी विवादों का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से कराना तथा आमजन को त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे इन शिविरों में अधिक से अधिक भाग लें तथा मध्यस्थता के माध्यम से अपने विवादों का आपसी सहमति से समाधान कराएं।

युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए किया प्रेरित

- पुलिस टीम ने युवाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शनिवार को नशा मुक्ति टीम ने रेडक्रॉस ऑफिस में आए हुए युवाओं को नशा मुक्ति साइबर क्राइम और डायल 112 के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीम ने युवाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि नशा हमारे जीवन को अंधकार की ओर धकेल देता है। नशा करने से परिवार में ही नहीं हमारे आसपास और समाज में भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमें नशा नहीं करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आज का युग तकनीकी युग है। इसलिए हमें बहुत ही सावधानी से मोबाइल और लैपटॉप प्रयोग करना चाहिए। साइबर क्राइम से बचने के लिए अज्ञात लोगों द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक न करने, अपने पासवर्ड सुरक्षित रखने और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में डायल 112 का प्रयोग करें। अगर आपके आसपास नशा की खरीद फिरोख्त हो रही है तो मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दें। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

झज्जर। युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

गैस एजेंसियों के निरीक्षण के लिए टीमों का किया गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि जिलाभर में एलपीजी गैस वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी, जमाखोरी एवं घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर रोक को लेकर निरीक्षण टीमें गठित की गई हैं। जोकि अपने अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनीटिरिंग के साथ निरीक्षण करेंगी। वहीं डीएफएससी राजेश्वर मुदगिल ने बताया कि झज्जर ब्लॉक के लिए पंकज सैनी कार्यकारी अभियंता नगर परिषद के साथ खाद्य आपूर्ति निरीक्षक राजन यादव,अजय कुमार और उपनिरीक्षक रितु रानी की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं बेरी ब्लॉक के लिए अजय कुमार एसडीई पीडब्ल्यूडी के साथ इंस्पेक्टर दीपक व उपनिरीक्षक हरिओम, कुमारी दीपिका क्षेत्र में गैस की मॉनिटरिंग करेंगी। मातनहेल ब्लॉक के लिए सुकरमपाल बागवानी विकास अधिकारी साल्हावास के साथ निरीक्षक अजय राठी व उपनिरीक्षक परमजीत सिंह, बादली ब्लॉक के लिए प्रेम सिंह एसडीई, पीडब्ल्यूडी के साथ निरीक्षक राजेश सहगल व उपनिरीक्षक गोरख और बहादुरगढ़ ब्लॉक में निरीक्षण के लिए कृष्ण मलिक एसडीओ एचएसवीपी के साथ धर्मपाल व श्रीकांत उपनिरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है।

- अपने अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनीटिरिंग के साथ निरीक्षण करेंगी

बॉलीवुड सिंगर ने स्टार नाइट में मचाई धूम

झज्जर। शिक्षक व अतिथियों के साथ मंच पर उपस्थित होनहार विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कबलाना में वार्षिक महोत्सव के अंतिम दिन का शुभारंभ बतौर मुख्यातिथि एसीपी अनिरुद्ध चौहान व निदेशक प्रोफेसर अमन अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। समापन पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय सेना पर आधारित नाटक आर्कषण का केंद्र रहा। भोजपुरी गायिका व डांसर सृष्टि भारती ने भोजपुरी गाने शुरू किए तो कॉलेज में पढ़ रहे बिहार के विद्यार्थी खुशी से झूम उठे। इस दौरान आयोजित स्टार नाइट में बॉलीवुड सिंगर अफसाना खान ने समां बांधा। उन्होंने काफी देर तक न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया बल्कि अपने जीवन से जुड़ी हुई कुछ खास यादों को भी ताजा किया।

तीन दिन बंद रहेगा बराही रेलवे फाटक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रेलवे की ओर से सड़क मरम्मत कार्य के चलते विकास नगर के निकट स्थित लेवल क्रॉसिंग नंबर-24 (बराही रेलवे फाटक) को तीन दिन के लिए बंद किया जाएगा। आगामी छह से आठ अप्रैल तक यह काम होगा। सीनियर सेक्शन इंजीनियर बहादुरगढ़ कार्यालय की ओर से सूचना जारी की गई है। दरअसल, बराही फाटक पर रेलवे के दायरे में शामिल सड़क की स्थिति खराब है। इसलिए रेलवे की ओर से यह मरम्मत कार्य कराया जाएगा। तीन दिन तक फाटक को रोजाना 24 घंटे के लिए पूरी तरह बंद रखा जाएगा, जिससे सड़क यातायात प्रभावित रहेगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक, आरपीएफ, जीआरपी सहित संबंधित अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सूचना जारी कर दी गई है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की भी मांग की गई है। आम नागरिकों से अपील है कि वे व्यवस्था बनाने में सहयोग दें, वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें।

राजकीय महाविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन

विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा

- नियमित संवाद और सहयोग से ही विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया। प्रशासनिक प्राचार्य डॉक्टर सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने शामिल होकर शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन एवं समग्र विकास पर विस्तार से चर्चा की। प्राचार्य डॉक्टर सुरेंद्र सिंह ने कहा कि नियमित संवाद और सहयोग से ही विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार संभव है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति और व्यवहार पर विशेष ध्यान दें। बिरोहड़ गांव निवासी वयोवृद्ध रामफल ने विद्यार्थियों को व्यवहार को सुंदर बनाने एवं चरित्र निर्माण कर एक सजग नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। अभिभावक जोगिंद्र ने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन का संतुलित प्रयोग करने, नशे से दूर रहने एवं नियमित रूप से अध्ययन करने का आग्रह किया।

झज्जर। विद्यार्थियों के साथ उपस्थित पीटीएम में शामिल होने पहुंचे अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

मौके पर ये मौजूद रहे

इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर वीरेंद्र सिंह, डॉक्टर रश्मि, सुनील कुमार, डॉक्टर शिवानी, निशा रानी, राजेश कुमार, ओमबीर, पवन कुमार, डॉक्टर सवीन, जितेंद्र, डॉक्टर अजय कुमार, अजय सिंह, मंजू कुमारी, डॉक्टर जयप्रकाश शर्मा, प्रदीप कुमार, डॉक्टर मोनिका, डॉक्टर रीना, डॉक्टर सीटू सिंह, मृणाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शिविर में 67 युवाओं ने किया रक्तदान

- शहीद धर्मवीर की स्मृति में लगा रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

कारगिल युद्ध में शहीद हुए अमर शहीद धर्मवीर की स्मृति में शनिवार को शहीद कारगिल हीरो ट्रस्ट, इंडेप्थ विजन फाउंडेशन तथा सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया द्वारा डीवी गैस एजेंसी पर रक्तदान व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता शहीद वीरांगना विद्या देवी ने की जबकि मुख्यातिथि के रूप में नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक श्रेष्ठ मानव सेवा है जो किसी अंजान व्यक्ति के जीवन को भी बचा सकती है। शिविर में कुल 67 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जबकि 129 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। रक्त संग्रहण का कार्य राष्ट्रीय कैंसर इंस्टीट्यूट, बाढ़सा द्वारा किया जबकि स्वास्थ्य जांच शिविर में स्वास्थ्य अस्पताल की टीम ने सेवाएं दीं।

129 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

झज्जर। रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए शहीद वीरांगना विद्या देवी। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

70 करोड़ प्रॉपर्टी टैक्स रिकवरी का लक्ष्य

बहादुरगढ़। नगर परिषद ने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली के लिए अभियान तेज कर दिया है। इस अभियान के तहत बड़े बकाएदारों को दो श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में पांच लाख रुपये से अधिक बकाया वाले 263 खातेदार शामिल हैं, जिनसे करीब 38 करोड़ रुपये की वसूली की जानी है। जबकि दूसरी श्रेणी में दो लाख रुपये से अधिक बकाया रखने वाले लगभग 1900 लोगों की पहचान की गई है, जिन्हें जल्द नोटिस जारी किए जाएंगे। नगर परिषद का लक्ष्य कुल मिलाकर 70 करोड़ रुपये से अधिक की रिकवरी करना है। इन बकाएदारों में बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान, व्यावसायिक इकाइयां और कई सरकारी विभाग भी शामिल हैं, जिन पर करोड़ों रुपये बकाया हैं। कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला के अनुसार, नोटिस की अवधि में टैक्स जमा नहीं करने पर संबंधित भवनों को सील करने के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रास्ता रोककर युवक को बेरहमी से पीटा

बहादुरगढ़। गांव भापड़ोदा के निवासी एक युवक पर कई लोगों ने हमला कर दिया। डंडे और रॉड से वार किए गए। हमले में उसे गंभीर चोट आई और हमलावर मरा हुआ समझकर उसे छोड़कर भाग गए। गांव के ही कुछ लोगों व उनके साथियों पर आरोप है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। फिलहाल आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। वारदात भापड़ोदा के निवासी मनोज के साथ हुई है। मनोज का कहना है कि वह बाइक में पेट्रोल डलवाने के लिए छारा रोड स्थित पेट्रोल पंप पर जा रहा था। रास्ते में कुछ लोग मेरे दोस्त को पीट रहे थे। मैंने बीच बचाव कर उसे छुड़वा दिया। जब मैं अपने घर जाने लगा तो इसी दौरान गाड़ी आकर रुकी। गाड़ी में से कई लोग बाहर निकले। किसी के हाथ में डंडे तो किसी के हाथ में रॉड थी। मुझ पर हमला कर दिया गया। बेरहमी से मारपीट कर मुझे मरा हुआ समझकर छोड़ गए। इसके बाद परिजनों ने मुझे अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, सूचना पाकर मांडोठी चौकी से पुलिस अस्पताल में पहुंची और घायल के बयान लिए। बयान के आधार पर करीब आधा दर्जन नामजद व अन्य अज्ञातों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव आज से

बहादुरगढ़। शहर के बसंत विहार में मेला ग्राउंड के निकट रविवार 5 अप्रैल से 12 अप्रैल तक भव्य श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए पंडित महेश चंद शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 5 अप्रैल को सुबह 8 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। यात्रा देवी मंदिर प्राचीन शक्ति पीठ से कथा पंडाल तक निकाली जाएगी। इसके बाद प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक कथा प्रवचन होंगे। कथा व्यास के रूप में आचार्य विष्णु कौशिक जी महाराज श्रद्धालुओं को शिव महापुराण की कथा का रसपान कराएंगे, वहीं मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्री 1008 बाबा कालिदास महाराज की उपस्थिति रहेगी। भंडारे के साथ 12 अप्रैल को कथा का समापन होगा।

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने लोवा कलां कन्या गुरुकुल में नवीनीकृत पुस्तकालय का किया उद्घाटन

गुरुकुल के माध्यम से समाज में होता रहे सत्य का प्रकाश : कै. अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव लोवा कलां में स्थित रणजीत स्मारक शांति निकेतन कन्या गुरुकुल की संचालिका स्व. आचार्या शांति के 93वें जन्मदिवस पर शनिवार को समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने नवीनीकृत पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इस दौरान ब्रह्मचारिणियों ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रकाश डालती सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

शनिवार सुबह कन्या गुरुकुल में समारोह की शुरूआत में ऋग्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई। यज्ञ की ब्रह्मा आचार्या नीलम शास्त्री रही। सहदेव आर्य बेधड़क, आचार्य श्री भगवान शर्मा व बहन दयावती आर्या ने भजनोपदेश दिए। यज्ञोपरांत समारोह में अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। वार्षिकोत्सव की अध्यक्षता केंद्रीय आर्य सभा बहादुरगढ़ ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने नवीनीकृत पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इसके उपरांत उन्होंने गुरुकुल की गोशाला, यज्ञशाला व छात्रावास का भी अवलोकन किया। उन्होंने कृष्णा आचार्या से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गुरुकुल के माध्यम से समाज में सत्य का प्रकाश होता रहे। सृजन शक्ति गुरुकुलों से जुड़ी रहे। गुरुकुल की प्रधानाचार्या डॉ. राजन मान व आचार्या विद्यावती ने कन्या गुरुकुल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रधान अशोक मान ने बताया कि स्व. आचार्या शांति ने करीब चार दशक पूर्व कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बीड़ा उठाया था। आज भी इस गुरुकुल से शिक्षित कन्याएं समाज को नई दिशा देने में अहम भूमिका अदा कर रही हैं। मंच का संचालन आचार्या प्रीति व आर्या अनु ने किया।

गुरुकुल की कन्याओं ने योगासन, भजन, कविता पाठ, भाषण, श्लोकोच्चारण के अलावा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह में विधायक राजेश जून ने छात्राओं से कड़ी मेहनत से एक मजबूत और संस्कारयुक्त देश का निर्माण करने का आह्वान किया। इस मौके पर आर्य सतपाल वत्स, आर्य हरिओम दलाल, आर्य राजेश राठी, सोनू मान, जयपाल दहिया, धनराज तहलान, कृष्ण दलाल व सौरभ मान आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कैप्टन अभिमन्यु को स्मृति चिह्न देते अशोक मान, डॉ. राजन मान व विद्यावती आचार्या।

बहादुरगढ़। कृष्णा आचार्या से मिलकर उनका कुशलक्षेम जानते कैप्टन अभिमन्यु।

बहादुरगढ़। स्वामी दयानंद के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन करती कन्याएं। फोटो : हरिभूमि

1.65 करोड़ का पेयजल प्रोजेक्ट शुरू, विधायक ने किया शुभारंभ

बहादुरगढ़। शनिवार को विधायक राजेश जून ने गांव जाखोदा में 1 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत की पेयजल परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने सरपंच व ग्रामवासियों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर गांव के जलघर में वॉटर स्टोरेज टैंक के निर्माण तथा गांव के विभिन्न क्षेत्रों में नई पाइपलाइन बिछाने के कार्य की शुरुआत की। विधायक राजेश जून ने बताया कि ग्राम पंचायत व ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से पेयजल की समस्या को लेकर जलघर में पानी की स्टोरेज क्षमता बढ़ाने तथा कई स्थानों पर नई पाइपलाइन डालने की मांग की जा रही थी। जनहित को ध्यान में रखते हुए इन दोनों महत्वपूर्ण कार्यों को मंजूरी दिलाकर शुभारंभ कर दिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित होगी। जून ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उनके द्वारा प्रस्तावित विकास कार्यों को तुरंत स्वीकृति और बजट प्रदान करते हैं। जिसके चलते बहादुरगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। हलके की सभी मूलभूत समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। नायब सरकार के माध्यम से आमजन को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

बहादुरगढ़। जाखौदा में पेयजल प्रोजेक्ट का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

बहादुरगढ़। बराही में बच्चों को ड्रेस व शिक्षण सामग्री बांटते विधायक राजेश जून।

बच्चों में बांटी ड्रेस और शिक्षण सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव बराही में शनिवार को डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर के 76वें जन्मदिवस पर गांव के तीनों स्कूलों के विद्यार्थियों को स्कूल ड्रेस एवं शिक्षण सामग्री वितरित की गई। विधायक राजेश जून ने छिल्लर परिवार के साथ मिलकर बच्चों को ड्रेस, किताबें व अन्य शिक्षण सामग्री सौंपी। विधायक राजेश जून ने भी अपनी नेक कमाई से 21 हजार रुपये का सहयोग किया। उन्होंने छिल्लर परिवार के सेवा कार्य को जमकर सराहा। जन्मदिन पर इस तरह जरूरतमंद बच्चों की सहायता करना आदर्श उदाहरण है। इससे बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन मिलता है और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति भी होती है। इस मौके पर महावीर छिल्लर, रामकुमार छिल्लर व सरदारे आदि उपस्थित रहे।

326 शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने शोध पत्र पढ़े

कृषि और पशुपालन भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ः दहिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय में आयोजित ग्लोबल इम्पैक्ट्स ऑफ सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड वेटरनरी इनोवेशन्स, अंतरराष्ट्रीय कृषि-वेटरनरी महासम्मेलन शनिवार को संपन्न हो गया। इस भव्य सम्मेलन ने कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में शोध, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए आयाम स्थापित किए। समापन समारोह में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि कृषि और पशुपालन भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और इन क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा शोध आधारित नवाचारों को अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने संस्कारम विश्वविद्यालय द्वारा कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त पहल बताया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 326 शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। जिसमें नवीनतम वैज्ञानिक शोध, तकनीकी नवाचार, सतत कृषि पद्धतियों तथा पशु स्वास्थ्य प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। पटना बिहार पशु विज्ञान विवि के प्रोफेसर डॉक्टर इंद्रजीत सिंह ने कहा कि संस्कारम विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। संस्कारम विश्वविद्यालय चांसलर डॉक्टर महिपाल ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन की सफलता सभी के सक्रिय सहयोग और सहभागिता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त किया और कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में नए विचारों एवं संभावनाओं को दिशा दी।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्यातिथि विजय दहिया, चांसलर डॉक्टर महिपाल एवं अन्य।

विभिन्न मांगों पर नंबरदारों ने किया विमर्श

सोमवार को एसडीएम से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपेंगे नंबरदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शनिवार को शहर के दिल्ली-रोहतक रोड स्थित नंबरदार एसोसिएशन के कार्यालय पर सतनारायण जसौरखेड़ी की अध्यक्षता में तहसील के नंबरदारों की एक विशेष बैठक हुई। जिला नंबरदार एसोसिएशन के चेयरमैन शतीश नंबरदार ने मुख्य वक्ता के तौर पर नंबरदारों की समस्याओं पर अपने विचार रखे।

बैठक में नई नंबरदारी प्रथा (नियुक्ति प्रक्रिया) को फिर से शुरू करने, नंबरदारों का मानदेय बढ़ाने समेत नंबरदारों का सम्मेलन बहादुरगढ़ में आयोजित करने पर चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सोमवार को नंबरदार अपनी मांगों के संबंध में एसडीएम से मिलेंगे और मांग पत्र सौंपेंगे। शतीश नंबरदार ने कहा कि लंबे समय से नबंरदारों की नियुक्ति प्रक्रिया बंद है। यह रोक हटाकर खाली पदों को भरा जाए। मानदेय भत्ता भी कम से कम 20 हजार रुपए किया जाए। उन्होंने नंबरदारों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन ने सीएम नायब सिंह सैनी के समक्ष नंबरदारों की मांगें रखी थी। फिर से मुख्यमंत्री से मिलकर मांगों को उठाया जाएगा। सांखोल के हुकम सिंह ने कहा नंबरदार प्रशासन और ग्रामीणों के बीच अहम कड़ी हैं। बैठक में उमेद सिंह डाबोदा, जयभगवान लडरावण, नवीन दलाल मांडोठी, धर्म सिंह बालौर, सुरेंद्र जाखोदा, जोगेंद्र, दिनेश, राजेंद्र बराही, कृष्ण आसौदा, राजेश आसौदा, दलेल डाबोदा खुर्द, बिजेंद्र भापड़ौदा, अनिल सोलधा, रामनिवास बामड़ोली, करतार, सुखबीर नया गांव, मनजीत छारा, रविंद्र छारा, हवा सिंह भापड़ौदा, शक्ति लोहारहेड़ी, रामफल, तारीफ, अश्वनी दुल्हेड़ा, राज सिंह बालोर, इंद्र सिंह कसार, सतबीर सिद्दीपुर, राजेश मांडोठी, सुरेंद्र जाखोदा व रामधन आदि मौजूद रहे।

- शतीश नंबरदार बोले-लंबे समय से नबंरदारों की नियुक्ति प्रक्रिया है बंद, यह रोक हटाकर खाली पदों को भरा जाए

आईपीएस दीप्ति गर्ग ने संभाला कार्यभार

झज्जर। शनिवार को दीप्ति गर्ग आईपीएस ने जिला पुलिस मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके आगमन पर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। वर्ष 2020 बैच की आईपीएस अधिकारी दीप्ति गर्ग का सेवाकाल विविध और प्रभावशाली रहा है। मानेसर स्थित फोर्थ बटालियन आईआरबी में तैनाती से पूर्व वे पुलिस अधीक्षक डबवाली के महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। इसके अतिरिक्त वे एएसपी के रूप में सिरसा में भी अपनी जिम्मेदारियों का सफल निर्वहन कर चुकी हैं, कार्यभार संभालने के उपरांत उन्होंने पुलिस कमिश्नर कार्यालय का निरीक्षण करते हुए सभी शाखाओं की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित की।

सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इलाके में सड़कें बन तो रही हैं लेकिन गुणवत्ता लगातार सवालों के घेरे में है। अब लोहारहेड़ी से भैंसरू कलां तक बनाई जा रही सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं। शनिवार की सुबह लोहारहेड़ी के सरपंच प्रतिनिधि सहित कई ग्रामीणों ने इकट्ठे होकर नाराजगी जताई। निर्माण में निम्न स्तर की सामग्री इस्तेमाल करने के आरोप लगाए। मुख्यमंत्री से निर्माण कार्य की विजिलेंस जांच करने की मांग भी उठाई।

सरपंच प्रतिनिधि अश्विन तहलान, पूर्व प्रधान सुरेंद्र, जगबीर ठोलेदार, देवेंद्र, रौनक, सतपाल, जयप्रकाश नंबरदार आदि ग्रामीणों ने कहा कि करीब तीन साल के इंतजार के बाद रोहद से भैंसरू कलां तक जाने वाली इस सड़क का निर्माण शुरू हुआ। निर्माण शुरू हुआ तो ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा की उम्मीद जगी, लेकिन ये उम्मीदें निर्माण होते-होते धराशायी हो गई। सालभर पहले प्रथम चरण में रोहद से लोहारहेड़ी तक सड़क बनाई गई। निर्माण के कुछ दिन बाद ही सड़क टूटने लगी थी। इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की गई लेकिन कुछ नहीं हुआ।

पठन व भाषण कौशल प्रतियोगिता हुई

श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में चौथी से 8वीं तक के विद्यार्थियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लडरावण स्थित श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में नए सत्र के शुभारंभ पर पठन कौशल और भाषण कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें चौथी से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रधानाचार्य किशोर कुमार शर्मा ने सभी छात्रों को उत्साह के साथ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। भाषण प्रतियोगिता में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। पाठन कौशल प्रतियोगिता में चौथी कक्षा की राखी, पांचवी की नव्या, छठी की शिवांगी, 7वीं की यशिका, 8वीं की मानसी, नौंवी के पार्थ तथा साक्षी, 10वीं की निकिता, 11वीं की इशिका तथा 12वीं के आशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि चौथी कक्षा की दिव्यां 5वीं की अंशिका, छठी की तन्वी, 7वीं की अवनी, 8वीं की नियति तथा 12वीं का दीपांशु दूसरे स्थान पर रहे। स्कूल संचालक अभिषेक छिल्लर ने कहा कि ऐसी स्पर्धाएं विद्यार्थी के श्रवण-वाचन, लेखन तथा पाठन-कौशल को सुधारने में मदद करती हैं।

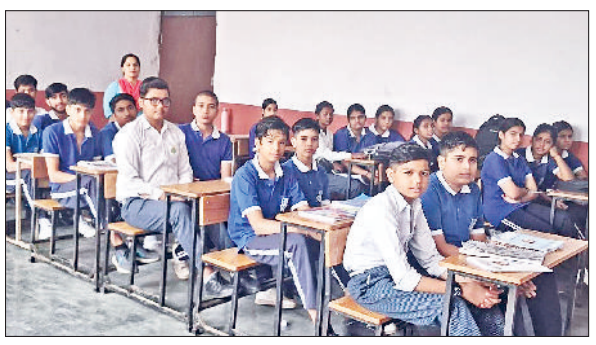

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में हुआ प्लेसमेंट फेयर

प्लेसमेंट फेयर में 45 भावी अध्यापिकाओं का चयन

प्रतिभाशाली भावी अध्यापिकाओं की योग्यता एवं रुचि के अनुसार उचित अवसर दिए जाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में शनिवार को प्लेसमेंट फेयर का आयोजन किया गया। इसमें शहर के विभिन्न ख्यातिप्राप्त शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया। विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने छात्राओं का मूल्यांकन उनके विषय ज्ञान, कक्षा प्रबंधन क्षमता, संप्रेषण कौशल, नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों एवं आत्मविश्वास के आधार पर करते हुए 45 भावी अध्यापिकाओं का चयन किया।

प्लेसमेंट फेयर में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, अशोका इंटरनेशनल स्कूल, त्रिवेणी मेमोरियल स्कूल, आदर्श हाई स्कूल, शक्ति विद्या मंदिर स्कूल, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, सोनी स्कूल, वैश्य गर्ल्स स्कूल, शारदा मिडिल स्कूल तथा मान सिंह स्कूल आदि शामिल हुए। इस दौरान बीएड व एमएड की छात्राओं ने अपने बायोडाटा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न विद्यालयों के समक्ष साक्षात्कार दिए। इस दौरान अपनी विषयगत दक्षता, शिक्षण कौशल एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। उन्होंने पीपीटी प्रेजेंटेशन, टीचिंग मॉडल, वर्किंग मॉडल, चार्ट, फ्लैश कार्ड तथा अन्य शिक्षण सहायक सामग्री के माध्यम से अपनी प्रतिभा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने प्रतिभागी विद्यालयों के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्लेसमेंट फेयर के माध्यम से छात्राओं को शैक्षणिक ज्ञान के बाद व्यावसायिक रूप से सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया गया। कॉलेज में बीएड व एमएड पाठ्यक्रम के अंतर्गत समाज को योग्य, प्रशिक्षित एवं संवेदनशील शिक्षक दिए जा रहे हैं। कॉलेज का प्रयास है कि प्रतिभाशाली भावी अध्यापिकाओं की योग्यता एवं रुचि के अनुसार उचित अवसर दिए जाएं।

बहादुरगढ़। भावी अध्यापिकाओं का साक्षात्कार लेते स्कूलों के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि